



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 31 अक्तूबर, 2000/9 कार्तिक, 1922

हिमाचल प्रदेश सरकार

पशु पालन विभाग

ग्राधमूचना

शिमला-2, 17 अक्तूबर, 2000

संख्या ए० एच० वाई०-ए(3) 4/99. —हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से अधिसूचना संख्या ए० एच० वाई०-ए०(3)-3/89 तारीख 26-2-1999 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश पशु पालन विभाग में कनिष्ठ अभियन्ता, वर्ग-III (अराजक) अलिपिक वर्गीय सेवाएं पद के लिए भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1996 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश पशु पालन विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता, वर्ग-III (अराजक), अलिपिक वर्गीय सेवाएं भर्ती और प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2000 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपबन्ध "अ" का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश पशु पालन विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता, वर्ग-III (अराजपदित) अलिपिक वर्गीय सेवाएं भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1996 के उपबन्ध 'अ' में,—

(क) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जायेंगे, अर्थात्:—

“रूपरे 5800-200-7000-220-8100-275-9200”.

(ख) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जायेंगे, अर्थात्:—

“(प्रारूपकार) में से, जिनका 8 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में 31-3-98 तक की गई लगानार तदर्थ सेवा सहित संयुक्त नियमित सेवाकाल यदि कोई हो, प्रोन्नति द्वारा, ऐसा न होने पर हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग/सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग में समरूप वेतनमान में कार्यरत कर्मचारियों में से प्रतिनियुक्ति द्वारा।”

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथावहित सेवाकाल के लिए, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी। परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-1998 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो, को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करने समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों की जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तु की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तु के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिये अपात्र नहीं समझा जायेगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाइज्ड आर्मंड फोर्मिड परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकेन्सीज इन हिमाचल स्टेट नान-टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो या जिसे एक्स सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वेकेन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिये गणना में ली जायेगी; यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु 31-3-98 तक की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लाने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उनके फनक्चरिंग पारस्परिक वरीयता अरिबन्धित रहेगी।

(ग) स्तम्भ संख्या 16 के अन्तर्गत विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जायेंगे :—

"उक्त सेवा में नियुक्ति, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/अन्य पिछड़े वर्गों और अन्य प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए सेवाओं में आरक्षण की वास्तविकता जारी किए गए अनुदेशों के अधीन होगी।

आदेश द्वारा,

एस0 राय,
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of Government Notification No. Ahy-A (3)4/99, dated 17-10-2000 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

ANIMAL HUSBANDRY DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 17th October, 2000

No. Ahy-A(3)4/99.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following rules to amend the Himachal Pradesh State Animal Husbandry Department, Junior Engineer (Class-III, Non-Gazetted), Non Ministerial Services Recruitment and Promotion Rules, 1996 notified *vide* this department Notification No. Ahy-A(3)-3/89, dated 26-2-1996, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(i) These Rules shall be called the Himachal Pradesh State Animal Husbandry Department, Junior Engineer (Class III, Non-Gazetted) Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2000.

(ii) These Rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment of Annexure 'A'.*—In Annexure "A" to the Himachal Pradesh State Animal Husbandry Department, Junior Engineer (Class-III, Non-Gazetted) Non-Ministerial Services Recruitment and Promotion Rules, 1996:—

(a) For the existing provisions against Column No. 4, the following shall be substituted, namely:—

"Rs. 5800-200-7000-220-8100-275-9200".

(b) For the existing provisions against Column No. 11, the following shall be substituted, namely :—

"By promotion from amongst draftsman who possess 8 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-98) service, if any, in the grade failing which by deputation from amongst the officials working in the identical pay scale and post in HPPWD/IPH Departments.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of R&P Rules, provided that :—

(i) In all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998 followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation, continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-98, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection in accordance with the provisions of the R & P Rules:

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-98 as referred to above shall remain unchanged.

(c) For the existing provisions against Column No. 16, the following shall be substituted, namely:—

“The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in the service for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Other Backward Classes/Other Categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time.”

By order,

S. ROY,
Commissioner-cum-Secretary.